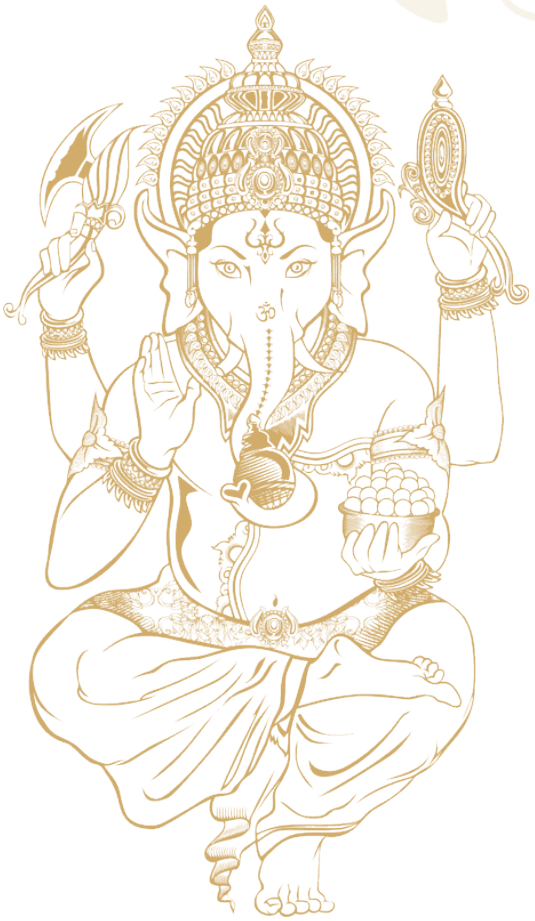

Kashvi

27 May 2024

03:55 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/05/2024**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:55:00 घंटे**
इष्ट	26:34:31 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:46:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	08:08:09 घंटे
सूर्योदय	05:17:11 घंटे
सूर्यास्त	18:54:55 घंटे
दिनमान	13:37:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:25:32 वृष
लग्न के अंश	04:20:09 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:20:09	317:35:52	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृष	12:25:32	00:57:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	29:54:20	13:40:34	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	26:14:53	00:45:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			मेष	23:08:36	01:42:31	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु		अ	वृष	06:08:52	00:14:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	वृष	10:12:14	01:13:45	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
शनि			कुंभ	24:19:20	00:03:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		मीन	20:00:07	00:06:27	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	20:00:07	00:06:27	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	29:43:05	00:03:25	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	---
नेप			मीन	05:23:16	00:01:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो	व		मक	07:46:05	00:00:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	05:39:50	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:48

लग्न-चलित

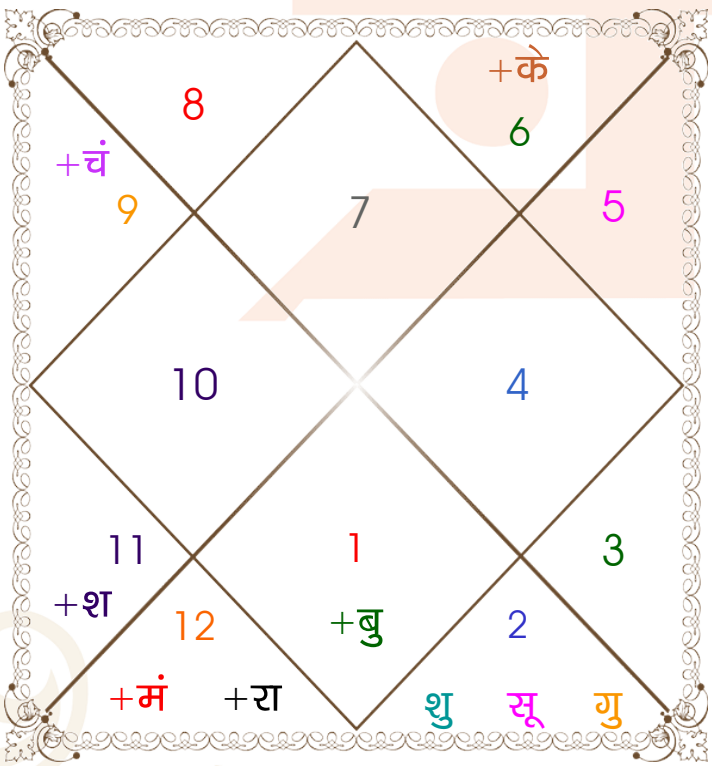

चन्द्र कुंडली

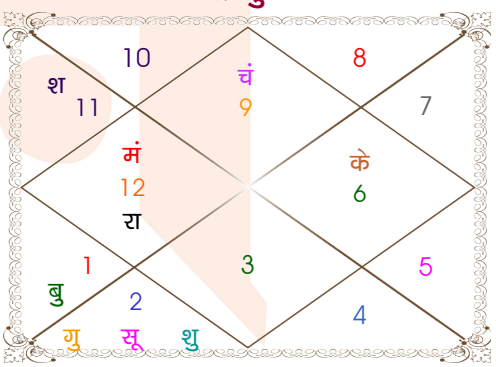

नवमांश कुंडली

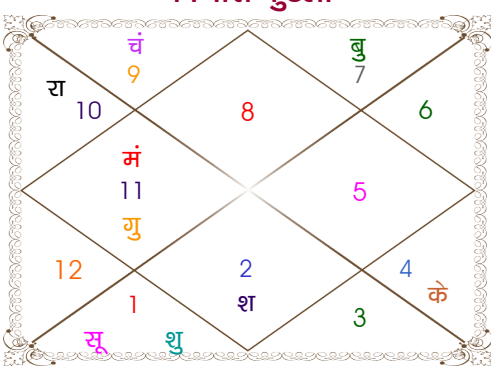

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 6 मास 15 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/05/2024		11/12/2028		12/12/2038		12/12/2045		12/12/2063	
11/12/2028		12/12/2038		12/12/2045		12/12/2063		12/12/2079	
	00/00/0000	चंद्र	12/10/2029	मंगल	10/05/2039	राहु	24/08/2048	गुरु	29/01/2066
	00/00/0000	मंगल	13/05/2030	राहु	27/05/2040	गुरु	17/01/2051	शनि	12/08/2068
	27/05/2024	राहु	12/11/2031	गुरु	03/05/2041	शनि	23/11/2053	बुध	17/11/2070
राहु	30/12/2024	गुरु	13/03/2033	शनि	12/06/2042	बुध	12/06/2056	केतु	24/10/2071
गुरु	18/10/2025	शनि	12/10/2034	बुध	09/06/2043	केतु	30/06/2057	शुक्र	24/06/2074
शनि	30/09/2026	बुध	12/03/2036	केतु	06/11/2043	शुक्र	30/06/2060	सूर्य	13/04/2075
बुध	06/08/2027	केतु	11/10/2036	शुक्र	05/01/2045	सूर्य	25/05/2061	चंद्र	12/08/2076
केतु	12/12/2027	शुक्र	12/06/2038	सूर्य	12/05/2045	चंद्र	24/11/2062	मंगल	18/07/2077
शुक्र	11/12/2028	सूर्य	12/12/2038	चंद्र	12/12/2045	मंगल	12/12/2063	राहु	12/12/2079

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/12/2079		12/12/2098		13/12/2115		13/12/2122		13/12/2142	
12/12/2098		13/12/2115		13/12/2122		13/12/2142		00/00/0000	
शनि	15/12/2082	बुध	10/05/2101	केतु	10/05/2116	शुक्र	13/04/2126	सूर्य	01/04/2143
बुध	24/08/2085	केतु	08/05/2102	शुक्र	10/07/2117	सूर्य	14/04/2127	चंद्र	01/10/2143
केतु	03/10/2086	शुक्र	08/03/2105	सूर्य	15/11/2117	चंद्र	12/12/2128	मंगल	06/02/2144
शुक्र	02/12/2089	सूर्य	12/01/2106	चंद्र	16/06/2118	मंगल	11/02/2130	राहु	28/05/2144
सूर्य	14/11/2090	चंद्र	13/06/2107	मंगल	12/11/2118	राहु	11/02/2133		00/00/0000
चंद्र	15/06/2092	मंगल	10/06/2108	राहु	01/12/2119	गुरु	13/10/2135		00/00/0000
मंगल	25/07/2093	राहु	28/12/2110	गुरु	06/11/2120	शनि	13/12/2138		00/00/0000
राहु	31/05/2096	गुरु	04/04/2113	शनि	16/12/2121	बुध	13/10/2141		00/00/0000
गुरु	12/12/2098	शनि	13/12/2115	बुध	13/12/2122	केतु	13/12/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।